वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :3 अंक : 130 | गुरुवार 7 सितम्बर 2023 | दैनिक ई-पेपर

कृष्ण जन्मोत्सव की हार्दिक शुभकामनाएं

# शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

## दही हांडी प्रतियोगिता में स्टूडेंट्स का दिखा उत्साह

### केशव बड़ाया बोले- कृष्ण का जन्म हमारे लिए एक अमूल्य उपहार

**जयपुर. कासं।** कृष्ण जन्माष्टमी उत्सव पर विभिन्न रंग बिरंगी वेशभूषा में सजी संवरी राधा और गोपियों ने अपनी सुन्दर, आर्कषक और सुलभ अदाओं से सबका मन मोह लिया। कुछ ऐसा ही दृश्य था शिकारपूरा सांगानेर स्थित सेंट विल्फ्रेड कॉलेज में कृष्ण जन्माष्टमी उत्सव पर दही हांडी सामारोह का। कार्यक्रम की शुरूआत सेंट विल्फ्रेड एजुकेशन सोसायटी के मानद सचिव डॉ. केशव बड़ाया नें कृष्ण पूजा कर की। विद्यार्थियों की ओर से कृष्ण-राधा की लीलाओं पर कई सुरीली गीतों पर जैसे बजे जो बंसी, बड़ा नटखट है, मैं बनी तेरी राधा, नन्दलाला भैया यशोदा , वो किसना है अरे जा रे हट नटखट, मधुबन में जो कन्हैया जैसे गीतों पर आधारित नृत्य की आर्कषक प्रस्तुतियां भी दी गई। कॉलेज की प्रिंसीपल डॉ. अनुपमा परासर ने बताया कि सम्पूर्ण कॉलेज परिसर को सुंगधित फूलों तथा रंग बिरंगे वन्दन वारों से सजाया गया था। कॉलेज परिसर में आयोजित इस रोमांचक प्रतियोगिता में विद्यार्थियों के बीच रोचक मुकाबला हुआ, जिसमें 12 फीट उंचाई पर दही से भरी हांडी को टांगा गया और एक-एक करके विद्यार्थियों के समूहों ने ऊपर व्यवस्थित तरीके से चढ़कर मानव पिरामिड बनाकर दही हांडी फोड़ी। अंत में विजेता टीम कों आर्कषक पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया।

## बबेले को राष्ट्रीय पुरस्कार, अकादमी की 57 किताबों का लोकार्पण

### मंच मिलने पर खिले बाल साहित्यकारों के चेहरे, देशभर के लेखकों को दिए अवॉर्ड

**जयपुर. कासं**

पं. जवाहर लाल नेहरू बाल साहित्य अकादमी की ओर से बुधवार को सम्मान व पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन किया गया। अकादमी का पहला राष्ट्र स्तरीय पं. नेहरू शिखर सम्मान भोपाल के ख्यात साहित्यकार पीयूष बबेले को प्रदान किया गया। अकादमी की ओर से बाल साहित्य लेखन के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान प्रदान करने के लिए 9 सम्मान, 16 पुरस्कारों का वितरण किया गया। इसी के साथ अकादमी द्वारा प्रकाशित करवाई गयी 57 पुस्तकों का लोकार्पण भी हुआ। राजस्थान लघु उद्योग निगम के अध्यक्ष डॉ. राजीव अरोड़ा मुख्य अतिथि रहे, वहीं कला एवं संस्कृति विभाग की प्रमुख शासन सचिव गायत्री राठौड़ ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। इस अवसर पर अकादमी के चेयरमैन इकराम राजस्थानी, उपाध्यक्ष बुलाकी शर्मा, सचिव राजेन्द्र मोहन शर्मा, वरिष्ठ साहित्यकार फारूक आफरीदी, सत्यदेव संवितेन्द्र, प्रो. सतीश राय, जवाहर कला केन्द्र की अति. महानिदेशक प्रियंका जोधावत सहित कई लोग मौजूद रहे। रंगायन सभागार के बाहर अकादमी और भोपाल की इकतारा संस्था की सहभागिता में आयोजित पुस्तक और पोस्टर प्रदर्शनी मानों आगंतुकों का स्वागत कर रही हो। यहां बच्चों से जुड़ी लगभग 260 किताबों व 150 रंग-बिरंगे रचनात्मक पोस्टर्स को संजोया गया। दिव्य दृष्टि बच्चों की भजन प्रस्तुति के साथ कार्यक्रम का आगाज हुआ। नौनिहाल के तहत जवाहर कला केन्द्र के संयुक्त तत्वावधान में हुए कार्यक्रम में बाल कलाकार अक्षत सोनी व हिमाक्षी सोनी ने बांसुरी की जुगलबंदी पेश की ध्रुव सोनी ने की-बोर्ड पर संगत की। इस दौरान पीयूष बबेले को राष्ट्र स्तरीय पं. नेहरू शिखर सम्मान से नवाजा गया। पीयूष बबेले ने आभार व्यक्त करते हुए कहा कि अकादमी पूरे देश में बाल साहित्य के लिए काम करने वाली अग्रणी संस्था बनकर उभरी है, अकादमी की ओर से भावी भारत के बीच सच्चे ज्ञान का प्रचार-प्रसार किया जा रहा है। राजस्थान के वरिष्ठ बाल साहित्यकार स्व. मनोहर वर्मा सम्मान जगदीश प्रसाद शर्मा गिलूण्ड को तथा स्व. लक्ष्मी नारायण रंगा सम्मान डॉ. आईदान सिंह भाटी को प्रदान किया गया।

### बाल कविताओं का विमोचन

कार्यक्रम में गांधी की लाठी और अन्य बाल कविताएं का विमोचन हुआ। कार्यक्रम में साहित्यकार विमला महरिया को पुरस्कार प्रदान किया गया । वहीं बाल साहित्यकार तनव को लक्ष्मी कुमारी चूंडावत बाल साहित्य पुरस्कार, दीनदयाल शर्मा हनुमानगढ़, डॉ. भैंरू लाल गर्ग भीलवाड़ा, डॉ. आनन्द प्रकाश त्रिपाठी लाड़नू, प्रभात सवाईमाधोपुर, तरूण दाधीच उदयपुर, डॉ. कृष्ण कुमार आशु गंगानगर को बाल साहित्य मनीषी सम्मान से नवाजा गया। इसी के साथ अजय शर्मा की केनिशा ए बोर्न फाइटर, पारस चन्द जैन की सरस बाल कविताएं, श्यामा शर्मा की पक्षियों को पहचाने, टीना शर्मा 'माधवी' की बिल्लीपुर, बुनियादी जहीन की हिन्दुस्तानी बच्चे समेत 57 किताबें जिन्हें अकादमी की ओर से प्रकाशित करवाया गया है उनका विमोचन किया गया। चेयरमैन इकराम राजस्थानी ने कहा कि अकादमी बचपन को संवारने का काम कर रही है। देशभर में बच्चों को समर्पित यह एकमात्र अकादमी है जो पं. जवाहर लाल नेहरू, गांधी के सिद्धांतों को साथ लेकर आगे बढ़ रही है। बाल साहित्य प्रकाशन के साथ ही भविष्य में बाल मेला, बच्चों की फिल्म निर्माण समेत अन्य गतिविधियों का आयोजन किया जाएगा। डॉ. राजीव अरोड़ा ने कहा कि अकादमी ने उल्लेखनीय कार्य करते हुए बच्चों के लिए प्रामाणिक साहित्य तैयार किया है, माता-पिता की जिम्मेदारी है कि वे बच्चों को पढ़ने और लिखने को प्रेरित करें।

# दिगंबर जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन राजस्थान रीजन जयपुर द्वारा व्यक्तित्व विकास कार्यशाला कर मनाया शिक्षक दिवस

**जयपुर. शाबाश इंडिया**

फेडरेशन के संस्थापक अध्यक्ष स्व प्रदीप कुमार सिंह जी कासलीवाल की पुण्य स्मृति दिवस के अवसर पर दिगंबर जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन राजस्थान रीजन जयपुर द्वारा श्री टोडरमल स्मारक भवन के बाबू भाई सभागार, मंगल धाम में ''व्यक्तित्व विकास कार्यशाला'' का शानदार आयोजन किया गया। रीजन अध्यक्ष राजेश बड़जात्या ने बताया की इस अवसर पर अंतराष्ट्रीय प्रसिद्ध मोटिवेशनल स्पीकर विश्व प्रसिद्ध Fortune लिस्ट के 500 पर्सनैलिटी में शामिल, ''शुद्धात्म प्रकाश भारिल्ल'' तथा गिनीज वर्ल्ड रिकार्ड होल्डर 24 घंटे लगातार स्पीच देने का, प्रसिद्ध मोटिवेशनल स्पीकर, 'सौरभ जैन' द्वारा अत्यंत सरल भाषा मे आकर्षक उच्चस्तरीय ज्ञानवर्धन किया गया। सभी श्रोता मंत्र मुग्ध होकर सुन रहे थे। दोनों प्रसिद्ध वक्ताओं का तिलक, माला, दुपट्टा, साफा, तथा स्मृति चिन्ह प्रदान कर तालियों की गूंज के बीच ससम्मान सम्मानित किया। शिक्षक दिवस के पावन अवसर पर दिगंबर जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन राजस्थान रीजन के सदस्यों , ग्रुपों के अध्यक्ष , मंत्री, कोषाध्यक्ष की उपस्थिति में जैन दर्शन के प्रख्यात मूर्धन्य विद्वान शांति जी पाटिल प्राचार्यश्री टोडरमल दिगंबर जैन सिद्धांत महाविद्यालय जयपुर का सामाजिक सर्वश्रेष्ठ शिक्षक के रूप मे तिलक, माला पहनाकर, शाल उड़ाकर एवं सर्वश्रेष्ठ शिक्षक का सम्मान पत्र देकर सम्मानित किया। सभी ने उनके दीर्घायु होने की कामना की। उन्होंने संक्षिप्त किन्तु हृदय को छुने वाला मार्मिक उद्बोधन दिया व फेडरेशन का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर टोडरमल स्मारक ट्रस्ट के महामंत्री परमात्मा प्रकाश भारिल्ल का गौरवमई सानिध्य रीजन को प्राप्त हुआ। रीजन महासचिव निर्मल संघी ने अवगत कराया कि कार्यक्रम में अनिल कुमार जैन IPS, सुरेंद्र - मृदुला पांड्या, नवीन - शशि सेन जैन, यश कमल संगीता अजमेरा, सीमा बड़जात्या, सरला संघी, सुनील कुमार बज, सुरेश जैन बांदीकुई, मोहन लाल गंगवाल, सतीश बाकलीवाल, बसंत जैम, श्रीमती शकुंतला बिनायक्या , राकेश- समता गोदिका , गिरीश जैन, विनोद सुशीला बड़जात्या, रमेश छाबड़ा, अजित जैन, डॉ इंद्र कुमार जैन, राजेन्द्र- सुशीला सेठी, राजेन्द्र बाकलिवाल , पवन ठोलिया , महावीर बिनायक्या, अतुल - सुधा छाबड़ा श्रीमती कोशलया जैन एवं अनेक ग्रुप के सदस्य महानुभावों की ओजस्वी उपस्थिति रही ।

# श्रीकृष्णजी ने औषधि दान देने की विधि जगत को सिखलाई : आचार्यश्री आर्जव सागर जी

## सुभाष गंज मैदान में चल रही है लोक कल्याण आराधना

**अशोक नगर. शाबाश इंडिया**

औषधि किसी को जीवन दे सकती औषधि दान पर के लिए संत जन हमेशा प्रेरणा देते रहते हैं औषधि दान कैसे दिया जाता है ये श्री कृष्ण जी से सीखें वे नारायण थे फिर भी गोधरा बनकर आनंदित होते थे उन्होंने एक संत को औषधि दान देने के लिए पुरी नगरी में औषधि वितरण करा दी और जहां संत का आहार हुआ वो औषधि उनको चलने से वे स्वस्थ हो गये और किसी को खबर तक नहीं लगी ये होता है महापुरुषों का काम दुनिया में ।जगत में सर्वश्रेष्ठ औषधि दान देने में नारायण श्रीकृष्णजी की प्रसिद्ध सभी को ज्ञात है आप लोग बड़ी श्रद्धा के साथ भक्ति संगीतमय लोक कल्याण की भावना भा रहे हैं आज शक्ति तस

त्याग की भावना के साथ आप लोगों ने अर्घ समर्पित कर रहे थे। शक्ति तस त्याग में श्रावको कीह अपेक्षा से कहा गया है इसमें शक्ति को छुपाना नहीं है और शक्ति से स्वयं और पर उपकार के लिए योग्य पात्र को दीया गया दान पुरा फल देता है नवादा भक्ति और पूरे वैभव पूर्वक पंच शाना से रहित ऐसे आर्यो अर्थात मुनि को दिया गया दान विशेष फल देता है उक्त आश्य के उद्गार आचार्य श्रीआर्जवसागर जी महाराज ने सुभाषगंज मैदान में धर्म सभा को सम्बोधित करते हुए व्यक्त किए। मध्यप्रदेश महासभा संयोजक विजय धुर्रा ने कहा कि परम पूज्यआचार्य श्रीआर्जवसागर जीमहाराज ससंघ केसान्निध्य में जगत के मंगल के लिए लोक कल्याण महा मंडल विधान चल रहा है इस विधान के माध्यम से हम सब लोक कल्याण की कामना कर रहे हैं आज महोत्सव में सौधर्म इन्द्र वनने का सौभाग्य राज कुमार रजत कुमार इंजीनियर प्रमुख श्रावक श्रेष्ठी पदम कुमार रोहित कुमार अरविंद कुमार पत्रिका परिवार को मिला जिनका सम्मान पंचायत कमेटी के अध्यक्ष राकेश कासंल महामंत्री राकेश अमरोद कोषाध्यक्ष सुनील अखाई प्रमोद मंगलदीप दारा किया गयाआज के श्रावक श्रेष्ठी वन शान्तिधारा करने का सौभाग्य स्वप्निल सी ए संदीपएडवोकेट परिवार को मिला जिनका सम्मान पूर्व जिलाध्यक्ष जय कुमार सिंघई मनीष सिघई प्रमोद मंगलदीप दारा स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया।

# मन से राग-द्वेष मिटाए बिना नहीं हो सकती मोक्ष की प्राप्तिः इन्दुप्रभाजी म.सा.

## ज्ञानदाता गुरू इस जगत में हमारे सबसे बड़े हितेषीः चेतनाश्रीजी म.सा.

सुनील पाटनी. शाबाश इंडिया

**भीलवाड़ा।** हमारा भला-बुरा किसमें है ये समझने के लिए हमे अपनी आत्मा को जागृत करना होगा। आत्मजागृति के बिना हम आत्मकल्याण भी नहीं कर सकते है। मोक्ष प्राप्ति की राह में सबसे बड़ी अड़चन हमारे मन में राग-द्वेष भरा होना है। इनको मिटाए बिना मोक्ष नहीं मिल सकता। ये विचार भीलवाड़ा के चन्द्रशेखर आजादनगर स्थित रूप रजत विहार में बुधवार को मरूधरा मणि महासाध्वी श्रीजैनमतिजी म.सा. की सुशिष्या महासाध्वी इन्दुप्रभाजी म.सा. ने नियमित चातुर्मासिक प्रवचन में व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि भगवान को वश में करने के लिए भक्त की भक्ति चाहिए। भक्ति सच्चे भाव से की जाए तो भगवान भक्त की हर इच्छा पूरी कर देते है। केवल ज्ञान की प्राप्ति हो जाना मोक्ष का द्वार खुलने के समान है। साध्वीश्री ने कहा कि सभी कषायों का त्याग कर समभाव में आने पर ही केवल ज्ञान प्राप्त हो सकता है। तिर्यंच में अच्छे भाव आ जाए तो वह भी आठवे देवलोक तक जा सकता है ओर साधु के भी भाव बिगड़ जाए तो वह भी तिर्यंच में जा सकता है। इसलिए हमारे भाव हमेशा पावन एवं पवित्र होने चाहिए। उन्होंने जैन रामायण का वाचन करते हुए भी विभिन्न प्रसंगों से जुड़ी चर्चा की। धर्मसभा में आगम मर्मज्ञा डॉ. चेतनाश्रीजी म.सा. ने कहा कि इस जगत में आपके सर्वाधिक हितेषी ज्ञानदाता गुरू ही होते है। गुरू कभी शिष्य को ज्ञान देने में कंजूसी नहीं करता है। ज्ञान लेना ही महत्वपूर्ण नहीं बल्कि उसे किस तरह अपने जीवन में उतार रहे है यह भी महत्व रखता है। विवेक से कार्य करेंगे तो कर्मबंधन नहीं के बराबर होंगे। उन्होंने कायोत्सर्ग की चर्चा करते हुए कहा कि इससे कर्म निर्जरा हो सकती है। हमे पैदल चलते समय या वाहन चलाते समय भी इस बात का ध्यान रखना चाहिए कि जीवों की विराधना कम से कम हो। जीवों की रक्षा करके हम अपने पाप कर्म क्षय करने के साथ पुण्यबल बढ़ा सकते है। आदर्श सेवाभावी दीप्तिप्रभाजी म.सा. ने शुरू में प्रेरणादायी भजन की प्रस्तुति दी। धर्मसभा में मधुर व्याख्यानी डॉ. दर्शनप्रभाजी म.सा., तत्वचिंतिका डॉ. समीक्षाप्रभाजी म.सा. तरूण तपस्वी हिरलप्रभाजी म.सा. आदि का भी सानिध्य रहा। धर्मसभा का संचालन युवक मण्डल के मंत्री गौरव तातेड़ ने किया। अतिथियों का स्वागत श्री अरिहन्त विकास समिति द्वारा किया गया। धर्मसभा में भीलवाड़ा शहर एवं आसपास के विभिन्न क्षेत्रों से पधारे श्रावक-श्राविकाएं मौजूद रहे। समिति के अध्यक्ष राजेन्द्र सुकलेचा ने बताया कि चातुर्मासिक नियमित प्रवचन प्रतिदिन सुबह 8.45 बजे से 10 बजे तक हो रहे है। प्रतिदिन सूर्योदय के समय प्रार्थना का आयोजन हो रहा है। प्रतिदिन दोपहर 2 से 3 बजे तक नवकार महामंत्र जाप हो रहा है।

### जन्माष्टमी पर आज बच्चों के लिए फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता

जन्माष्टमी के शुभ अवसर पर रूप रजत विहार में गुरूवार को 3 से 13 वर्ष तक के बच्चों के लिए सुबह 10 बजे फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा। इस प्रतियोगिता में बच्चें भगवान कृष्ण, सुदामा, गोपाल, राधा, गोपी सहित भगवान कृष्ण के जीवन चरित्र से जुड़े पात्रों की वेशभूषा धारण करके आ सकेंगे। प्रतियोगिता में प्रथम तीन स्थान पर रहने वाले बच्चों को श्री अरिहन्त विकास समिति द्वारा पुरस्कृत किया जाएगा।

### पर्युषण में होगा अखण्ड नवकार महामंत्र जाप

रूप रजत विहार में 12 से 19 सितम्बर तक मनाए जाने वाले पर्वाधिराज पर्युषण पर्व की तैयारियां जारी है। पर्युषण अवधि में रूप रजत विहार स्थानक में अखण्ड नवकार महामंत्र जाप का आयोजन होगा। श्रावक-श्राविकाओं को अपनी सुविधानुसार प्रतिदिन एक-एक घंटे का समय जाप के लिए देने की प्रेरणा दी जा रही है। पर्युषण अवधि में तपस्या ओर सामायिक के लिए डायमण्ड, गोल्डन व सिल्वर कूपन भी जारी किए जाएंगे। इसके तहत पर्युषण में उपवास की अठाई पर डायमण्ड, आयम्बिल की अठाई पर गोल्डन व एकासन की अठाई पर सिल्वर कूपन मिलेगा। इसी तरह पर्युषण अवधि में 108 सामायिक पर डायमण्ड, 81 सामायिक पर गोल्डन एवं 51 सामायिक पर सिल्वर कूपन मिलेगा।

## सोच को इतना अच्छा, सुगन्धित बना दो कि पैर भली कीचड़ में बने रहे लेकिन सारी दुनिया तुम्हारे इस कमल को देखकर के तुम्हे पूजा की थाली में सजाने का मन बना ले : निर्यापक मुनिपुंगव श्री सुधासागर जी महाराज

**आगरा. शाबाश इंडिया।** आगरा के हरीपर्वत स्थित श्री 1008 शांतिनाथ दिगंबर जैन मंदिर के अमृत सुधा सभागार में निर्यापक मुनिपुगंव श्री सुधासागर जी महाराज ने मंगल प्रवचन को संबोधित करते हुए कहा कि कुछ कार्य कुछ वस्तुएं अच्छी होती है लेकिन वो हर स्थान पर प्रत्येक समय पर ग्रहण करने योग्य नही होते। अच्छे कार्य, अच्छे व्यक्ति, अच्छी वस्तुये सदा सर्वत्र किये जायें ऐसा कोई नियम नही। छोड़ने योग्य वस्तु सदा त्याज्य है ऐसा कोई नियम नही। कुछ वस्तुये ऐसी है जो सदा के लिए शाश्वत रूप से त्याग कर देना चाहिए क्योंकि वो इतनी बुरी है, गन्दी है। इसलिए जैनाचार्यों ने अच्छे कुल वालो से कहा कि इतनी वस्तुये तो तुम्हारी जन्म से ही त्याग होना चाहिए, जिंदगी में कभी प्रवेश भी नही करना चाहिए जिसे हम मद्य, मधु, माँस आदि सप्तव्यसन बोलते है, ये तो सर्वथा त्याज्य है। कुछ हेय वस्तुये है, त्यागने योग्य है लेकिन छोड़ना नही क्योंकि इनमें एक गुण होता है, बुरी वस्तु में कह रहा हूँ। बुरी वस्तु में एक गुण होता है वो अच्छाई को प्राप्त करा करके छोड़ जाती है। जहर में भी एक गुण होता है कि मरने वाले को भी जिंदा कर देता है, सभी को नही, जहर भी औषधि है। इसलिए हर बुरी वस्तु को थोड़ा सोचकर के छोड़ना। क्योंकि उनमें एक गुण बैठा किसी को स्वास्थ्य करने का। सृष्टि को दो रूपो में देखो, एक देखो हेय रूप में, कितनी वस्तुये है जो तुम नही हो, तुमसे भिन्न है, तुम्हारी अपनी प्रतीति कह रहा हूँ। कई बार व्यक्ति अधर्म में इतना फंस जाता है कि वो धर्मात्मा होना चाहे तो भी खतरा है, उससे इतना बड़ा पाप हो चुकता है कि वो साधु बनना चाहे तो भी खतरा है प्रारंभ में तुम्हारा मन, मौज मस्ती में रहता है, बालक को मिट्टी अच्छी लगती है वो नही सोच पाता है कि ये आगे खतरा बन जायेगी। गर तुम इस कीचड़ से नही निकल सकते हो तो इस संसार मे

रहकर अपने आप को स्वर्णमय बना लो स्वयं कमल के समान बन जाओ पैर भली कीचड़ में रहे लेकिन दिमाग जल से ऊपर रहें। सोच को इतना अच्छा, सुगन्धित बना दो कि पैर भली कीचड़ में बने रहे लेकिन सारी दुनिया तुम्हारे इस कमल को देखकर के तुम्हे पूजा की थाली में सजाने के मन बना ले। अधर्म करोगे रावण जैसा सुख पाओगे,रामचन्द्र जी का जीवन पढोगे तो रामचन्द्र जी जैसा दुख पाओगे। फैसला आपके हाथ मे है, राम बनना है तो दुखो के लिए तैयार रहो, राम को जितने दुख आये उससे भी अनन्तगुणे आये तो भी मैं राम ही बनने को तैयार हूँ बस इतना सा निर्णय करना है।

## वेद ज्ञान

# मन की शक्ति

जैसे योग, आसन और व्यायाम के बगैर मानव शरीर पुष्ट नहीं होता, ठीक उसी प्रकार मन का कार्य उचित तरीके से संपन्न करने के लिए कुछ न कुछ मानसिक योग-व्यायाम भी आवश्यक है। जिस मानव में असीम शारीरिक शक्ति हो, लेकिन मन का स्वरूप विकसित न हो उसे पूर्ण मनुष्य नहीं कहा जा सकता। क्या आपके मन में बीते हुए दुर्बल और हानिकारक विचार उत्पन्न होते हैं? ऐसे विचारों को दूर करने के लिए अंतःकरण शुद्ध कीजिए। इन्हें स्वच्छ करना बहुत जरूरी है। समस्त रोग, शोक, दुख, निराशा के विचार मस्तिष्क में विषैले कीटाणु उत्पन्न करते हैं। इसलिए इनसे मुक्त रहने का प्रयास करते रहना चाहिए। मन का मैल निकाल देने पर वह पूर्ण विशुद्ध रूप में आ जाता है और प्रत्येक कार्य उत्तम रीति से संपन्न कर सकता है। पहला मानसिक दोष उसकी अत्यधिक चंचलता है। स्वभावतः मन चंचल है, किंतु उसका रंग-बिरंगी तितली की भांति एक फूल से दूसरे फूल पर मंडराना गलत है। कोई तत्व, विशेष विचार या भावना को ले लीजिए। वह चाहे जैसा शुष्क क्यों न हो, उस पर मन की समग्र वृत्तियों को एकाग्र कर दीजिए। मन कुछ समय उपरांत भागेगा, किंतु आप संयम द्वारा उसे बांधे रखिए। विचलित न होइए। इस क्रिया से मन में दृढ़ता आती है। मनन करना मन का श्रेष्ठ नहीं सर्वश्रेष्ठ व्यायाम है। आप सारे दिन किस प्रकार के विचारों का चितन-मनन करते हैं? किन-किन विभिन्न वृत्तियों, भावनाओं में दिन गुजारते हैं? अपने मन के दृष्टा बनकर पूर्ण परीक्षा कीजिए। शास्त्र कहते हैं कि जो मनुष्य अपने विषय में तुच्छ विचार रखता है, वह भयंकर मानसिक रोग से पीड़ित है। एक ऊंची भावना मन में लेकर उसी विषय में निमग्न होकर विचरण करें। शुभ विचार से द्वेष, घृणा, ईर्ष्या आदि का उद्भव नहीं होता। निरोग मन बनाने के लिए अपने ईश्वरीय तत्व को प्रकाशित कीजिए। आपके मन का प्रत्येक अणु ईश्वरीय तत्व से अनुप्राणित है। ईश्वर के मार्ग प्रकाश में अवरोध न डालिए। अध्ययन, मनन या साधना के समय यदि मन को दृढ़ता से एकाग्र चित्त न किया जाए तो उसका फल प्राप्त नहीं होता। अशुभ चिंतन मानसिक दुर्बलता का प्रतीक है। इससे मन की कार्य करने वाली शक्तियां विनष्ट होती हैं। उत्साह क्षीण होता है।

## संपादकीय

# आने वाले चुनावों में राजनीतिक दलों का हाल...

''दिल्ली का रास्ता लखनऊ से होकर जाता है'' भारतीय राजनीति की एक बड़ी लोकप्रिय लोकोक्ति है। इसका आधार लोकसभा की 543 में से 80 सीटों का अकेले उत्तर प्रदेश में होना है। यानी जिसने उत्तर प्रदेश का किला जीत लिया, देश पर शासन करने की कुंजी भी उसके हाथ ही लगती है। अधिकांश चुनाव इसी रुझान का बखान करते हैं। वर्ष 2014 के आम चुनाव में भाजपा को मिलीं कुल सीटों में 73 केवल उत्तर प्रदेश से मिली थीं। फिर 2019 के चुनाव में सपा-बसपा के गठजोड़ के चलते भाजपा की सीटें कुछ घटीं जरूर, पर तब भी वह राज्य की 64 सीटें जीतने में सफल रही। अब भाजपा ने यहां की सभी 80 सीटें जीतने का लक्ष्य रखा है। बसपा प्रमुख मायावती ने चुनावों में अकेले उतरने का फैसला किया है। यह विपक्षी एकता की कोशिशों में लगे आइएनडीआइए के लिए झटका है। कांग्रेस का प्रदेश में सीमित जनाधार है। यदि सपा उससे मिलकर चुनाव लड़ेगी, तो उसे कोई फायदा होगा नहीं। उलटे

अपनी कुछ सीटें कांग्रेस को देनी पड़ेंगी। सपा ने 2017 के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस से गठबंधन किया तो उसे 47 सीटें मिली थीं। पिछले लोकसभा चुनाव में बसपा से गठबंधन किया तो मात्र पांच सीटें मिलीं। दोनों बार सपा को गठबंधन से लाभ नहीं मिला। ऐसे में क्या वह आइएनडीआइए से पीछे हट सकती है? सपा की दुविधा और बसपा की ''एकला-चलो'' वाली रणनीति का लाभ भाजपा उठाना चाहेगी। राज्य में भाजपा की ''डबल-इंजन'' सरकार है। यहां मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कानून एवं व्यवस्था के मोर्चे पर कड़े कदम उठाए हैं। कोरोना काल में कुशल नेतृत्व दिया। गरीबों को लंबे समय तक मुफ्त राशन उपलब्ध कराया और मोदी सरकार की गरीब कल्याण योजनाओं को प्रभावी ढंग से लागू किया है। विपक्ष के पास कोई ठोस मुद्दा नहीं है। राहुल गांधी अदाणी के नाम पर निर्भर हैं। अदाणी के मुद्दे से गरीबों को क्या फर्क पड़ता है? गरीबों को घर बैठे राशन, पांच लाख रुपये का स्वास्थ्य बीमा, आवास और शौचालय, उज्ज्वला गैस सिलेंडर मिला है। यूरिया की मारामारी नहीं है। इससे भी बढ़कर उनके जनधन खाते में बिना बिचौलियों के पैसे आ रहे हैं। वे अदाणी की चिंता क्यों करें? विपक्ष का दूसरा मुद्दा है कि देश की एकता, लोकतंत्र और संविधान खतरे में है। इस आरोप के उलट जनता ने यही महसूस किया है कि मोदी हमेशा 140 करोड़ भारतवासियों की बात करते हैं और कल्याणकारी नीतियों में कोई भेदभाव नहीं करते। यदि लोकतंत्र एवं संविधान खतरे में होता तो न विपक्ष इस प्रकार एकजुट हो पाता और न ही उसे प्रधानमंत्री को अपशब्द कहने की आजादी होती। लोकतंत्र और संविधान पर खतरे की मिसाल तो कांग्रेस ने आपातकाल के दौरान संविधान को ताक पर रखकर विरोधियों को जेल में डालकर और प्रेस की आजादी पर अंकुश लगाकर कायम की थी। जबकि आज विपक्ष को विरोध की आजादी है। प्रेस के पास मोदी और सरकार की आलोचना की गुंजाइश है। जनता को सरकारें बनाने-हटाने का अधिकार है। **-राकेश जैन गोदिका**

## परिदृश्य

# मुश्किल राह...

तेलंगाना में कांग्रेस की राह इस बार काफी मुश्किल दिखाई दे रही है। एक तरफ केसीआर की बीआरएस इस बार मुस्लिम वोट को एकमुश्त करने में लगी हुई है तो वहीं दूसरी तरफ बीजेपी भी हैदराबाद को भाग्यनगर करने वाले दांव के साथ हिंदू ध्रुवीकरण की रणनीति को धार देने का काम कर रही है। इन दो रणनीतियों के बीच कांग्रेस कहीं फंस सी गई है। वो ना हिंदू वोट को अपने पाले में ला पा रही है और ना ही केसीआर से

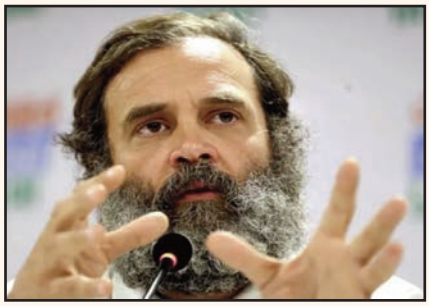

मुस्लिम वोट को छीन पा रही है। अब बीच मझधार में फंसी इस नैया को बाहर निकालने के लिए कांग्रेस ने एक खास रणनीति पर काम करना शुरू कर दिया है। उस रणनीति के तहत कांग्रेस पार्टी ने अपने ही कुछ नेताओं को लेकर 'Minorities Declaration Committee' बना दी है। ये कमेटी अलग-अलग अल्पसंख्यक समुदायों से मुलाकात करेगी,उनकी समस्याओं को समझेगी और फिर उसी आधार पर अपना घोषणा पत्र तैयार करेगी। इस समय 'Minorities Declaration Committee' की अध्यक्षता कांग्रेस के दिग्गज नेता मोहम्मद अली शब्बीर कर रहे हैं। इस कमेटी की पहली मीटिंग कुल तीन घंटे तक चली और कई मुद्दों पर चर्चा की गई। उस मीटिंग के बाद कहा गया कि महीने के अंत तक तमाम समुदायों से मुलाकात कर जो भी निष्कर्ष निकलेगा, उसे हाईकमान के सामने रखा जाएगा। अब जानकारी के लिए बता दें कि तेलंगाना में मुस्लिमों की आबादी 13 फीसदी के करीब है, एक प्रतिशत ईसाई भी हैं। वर्तमान की जो राजनीति चल रही है, वहां पर मुस्लिम वोटबैंक पर सत्तारूढ़ बीआरएस की मजबूत पकड़ है। कई ऐसी योजनाएं भी चला रखी हैं, जिस वजह से इस समुदाय का वोट केसीआर को मिल रहा है। उदाहरण के लिए पिछड़े समाज के परिवार को 1 लाख रुपये देने की योजना, मुस्लिम महिलाओं को निकाह के समय 1,00,116 रुपये देने की बात। इसके ऊपर असदुद्दीन ओवैसी की AIMIM के साथ पार्टी की एक अडरस्टैंडिंग चल रही है जिस वजह से हैदराबाद की कई सीटों पर भी मुस्लिम वोट केसीआर को मिल रहा है। अब कांग्रेस को मुस्लिम वोट इसलिए भी चाहिए क्योंकि बीजेपी ने धीरे-धीरे ही सही इस राज्य में अपनी उपस्थिति दर्ज करवाना शुरू कर दिया है। वो खुद को प्रमुख विपक्षी पार्टी बनाने की कोशिश में लगी है। उसके इस प्रयास में हिंदू वोटों को एकमुश्त करने पर पूरा जोर दिया जा रहा है। अब बीजेपी के आने से पहले तक हिंदुओं का एक धड़ा कांग्रेस के साथ भी रहा करता था। लेकिन कुछ सालों में जमीन पर स्थिति बदली है, ऐसे में कांग्रेस कोभी अपनी रणनीति पर और ज्यादा काम करना पड़ा है।

# जैन तीर्थ नैनागिरि में हुआ गरिमामय सम्मान समारोह

## छात्रा अनुष्का को सम्मान के साथ भेंट किए 51 हजार रुपये

रत्नेश जैन रागी. शाबाश इंडिया

बकस्वाहा। तहसील अंतर्गत देश का सुविख्यात जैन तीर्थ नैनागिरि में भगवान महावीर के 2550वें निर्वाण वर्ष तथा पार्श्वनाथ के 2800वें निर्वाण वर्ष के अवसर पर आयोजित सम्मान समारोह में मध्य प्रदेश लोक सेवा आयोग (एमपी पीएससी) द्वारा राज्य सरकार के विभिन्न पदों पर बुंदेलखंड के अनेक प्रतिभाशाली प्रत्याशियों को चयनित किए जाने पर तथा विभिन्न बोर्ड की परीक्षाओं में प्रवीण सूची में स्थान प्राप्त करने व उत्कृष्ट अंक अर्जित करने वाले छात्र-छात्राओं को जैन तीर्थ नैनागिरि की कमेटी एवं एसएसके जैन जनकल्याण संस्थान ने एक गरिमामय सम्मान समारोह में प्रशस्ति पत्र, स्मृति चिन्ह, पगड़ी, शाल, श्रीफल, तिलक, माला व अन्य उपहार भेंटकर सम्मानित किया गया, वहीं इस सम्मान के साथ प्रदेश की टॉप टेन की प्रवीण सूची में आठवां स्थान प्राप्त करने पर घुवारा निवासी छात्रा कु. अनुष्का जैन को 51 हजार रुपए की राशि का चेक शिक्षा अध्ययन हेतु सि.सतीशचंद्र केशरदेवी जैन जनकल्याण संस्थान व जैन स्कूल नैनागिरि ,तिन्सी द्वारा भेंट किया गया। श्री दिगंबर जैन सिद्धक्षेत्र (रेशंदीगिरि) नैनागिरि के विशाल गणेश वर्णी सभागार में जैन तीर्थक्षेत्र नैनागिरि के तत्वावधान में आयोजित गरिमामय सम्मान समारोह की अध्यक्षता कर रहे नैनागिरि ट्रस्ट कमेटी के अध्यक्ष सुरेश जैन आईएएस तथा क्षेत्र की प्रमुख संरक्षक व समारोह की मुख्य अतिथि न्यायमूर्ति श्रीमती विमला जैन ने अपने जीवन के अनेक अनुभवों को ग्राम से लेकर विभिन्न वरिष्ठ प्रशासनिक एवं न्यायिक उच्च पद हाई कोर्ट तक की यात्रा सहित अनेक अनुभवों को साझा करतें हुए कहा कि आपकी कड़ी मेहनत व माता पिता व गुरुजनों के शुभाशीष से जो कर्तव्य दायित्व मिला है उसके प्रति निष्ठा लगन व ईमानदारी से निर्वहन करते हुए देशभक्ति जनसेवा मे समर्पित कर अपने पद की गरिमा को बनाए रखने का आव्हान करते हुए मार्गदर्शन किया और आस्वस्त किया कि किसी भी प्रतिभाशाली वेटी को पढ़ाने हेतु हर सम्भव सहयोग मार्गदर्शन दिया जायेगा। अतिथियों ने भगवान महावीर एवं भगवान पारसनाथ के मुख्य सिद्धांतों को बताकर आत्मसात कर करने की बात कही। सम्मान समारोह में माध्यमिक शिक्षा मंडल की हाई स्कूल सर्टिफिकेट परीक्षा में 97.4 % अंक अर्जित कर मध्य प्रदेश की टॉप टेन / प्रवीण सूची में आठवां स्थान प्राप्त करने वाली प्रतिभाशाली छात्रा कु. अनुष्का जैन पिता डॉ. पवन कुमार, माता श्रीमती सुमन निवासी घुवारा को न्यायमूर्ति श्रीमती विमला जैन तथा सुरेश जैन आईएएस ने सम्मानित करते हुए एसएसके जैन जनकल्याण संस्थान व जैन स्कूल नैनागिरि , तिन्सी की ओर से 51 हजार रुपए का चेक समर्पित कर शुभाशीष दिया। इसी प्रकार सुप्रिया फुसकेले पिता संजय, माता सुनीता निवासी महावीर बार्ड क्र. 6 पथरिया को सीबीएसई की हायर सेकेंडरी सर्टिफिकेट परीक्षा में उत्कृष्ट अंक अर्जित करने तथा ध्रुव जैन पिता प्रो. मधुर राज, माता नमिता निवासी भोपाल का आईआईटी में चयन होने पर सम्मानित किया गया।

## श्री दिगंबर जैन आदर्श महिला संस्कृत महाविद्यालय में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर्व मनाया

चंद्रेश कुमार जैन। शाबाश इंडिया। श्री महावीर जी। 6 सितंबर स्थानीय श्री दिगंबर जैन आदर्श महिला संस्कृत महाविद्यालय में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी से एक दिन पूर्व बुधवार को श्रीकृष्ण की लीलाओं की धूम रही। महाविद्यालय में रंगारंग और सांस्कृतिक कार्यक्रम की छात्राओ द्वारा प्रस्तुति दी गई। कार्यक्रम की शुरूआत सर्वप्रथम महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ मुकेश शर्मा द्वारा श्री कृष्ण भगवान के छायाचित्र पर दीप प्रज्वलित कर की गई। कार्यक्रम में विद्यालय के छात्रों बीएसटीसी शास्त्री व शिक्षा शास्त्री की छात्राओं ने भाग लिया, इस अवसर पर छात्राओ ने सांस्कृतिक नृत्य ''मैं बरसाने की छोरी, वो कृष्णा है, मीठे रस से भरयो री राधा रानी लागे'' आदि शानदार नृत्य की प्रस्तुति दी गयी। छात्राओं ने राधा-कृष्ण बनकर खूब धूम मचाई। प्रधानाचार्य डॉ मुकेश शर्मा ने छात्राओ को जन्माष्टमी से अवगत करवाया। और कहा कि, अध्यात्म को व्यवहार में उतरना ही कर्म योग है। यह शास्त्र के श्लोक पर है जो हमे कर्म करने के लिए प्रेरित करता है, लेकिन बार बार जो फल की इच्छा करते है उन पर नही। कर्मण्येवाधिकारस्ते मा फलेषु कदाचन। मा कर्मफलहेतुर्भुर्मा ते संगोऽस्त्वकर्मणि।। आपका कर्म करने में अधिकार है इनके फलो में नही। भगवद गीता का ये श्लोक तो सम्पूर्ण गीता का सार समान है, अगर आप उसे जान लोगे तो आपको दूसरा कुछ समजने की जरूरत ही नही पड़ेगी. सफलता आपके पीछे दोड़ेगी। इतना ही नही जीवन के हर क्षेत्र में जीत आप की होगी। इस अवसर पर शिक्षा शास्त्री के प्राचार्य डॉ भैरवसहाय शर्मा, वरिष्ठ अध्यापक रजनीकांत चतुर्वेदी, आनंद शुक्ला, प्रमोद शुक्ला, अशोक सिंह, मुकेश शर्मा आदि महाविद्यालय के स्टाफ उपस्थित रहे। कृष्ण जन्माष्टमी की शुभकामनाओं के साथ प्रसाद वितरित कर कार्यक्रम का समापन किया गया।

## भव्य समारोह में 16 शिक्षकों का सम्मान किया

प्रकाश पाटनी. शाबाश इंडिया

भीलवाड़ा। नागोरी गार्डन स्थित माहेश्वरी समाज ट्रस्ट हॉल में जॉइंट स्मार्ट सिटी एवं लाइंस क्लब के तत्वाधान आयोजित समारोह में 16 शिक्षकों का भव्य सम्मान किया गया। शुरू में मीना लक्ष्यकर, नीतू यादव, रानी लक्ष्यकार द्वारा स्वागत नृत्य की प्रस्तुति दी। जॉइंट्स के पूर्व प्रदेशाध्यक्ष एवं लाइंस के पूर्व रीजन चेयरमैन सुरेंद्र जैन ने कहा कि समाज में शिक्षक का स्थान महत्वपूर्ण है। पुस्तक सूचनाओं और संदेश दे सकती है। किंतु संदर्भों की तार्किक व्याख्या शिक्षक ही कर सकता है। शिक्षक भावी पीढ़ी का निर्देशक होने के कारण वह अन्य समाजसेवियो की तुलना में अति विशिष्ट भी है। इस उपरांत मुख्य अतिथि ए.पी.सी सामग्र शिक्षा अभियान अधिकारी सत्यनारायण शर्मा ने शिक्षक नरेश कुमार व्यास, शिवकुमार वैष्णव, श्रीमती मैना गोधा पाटनी, श्रीमती मोनिका गर्ग, श्रीमती लक्ष्मी खटीक, श्रीमती लक्ष्मी चौहान, संगीतज्ञ कमलेश खोईवाल, श्रीमती रामगनी जिंनगर, श्रीमती विनीता शर्मा, श्रीमती मनीषा महेश्वरी, श्री भेरूलाल नायक, श्री दिनेश शर्मा, मंजू छिपा, दिव्या लोढ़ा, जगदीश चंद्र खटीक, रामनिवास रोनी को तिलक लगाकर, माल्यार्पण कर मेडल एवं प्रशस्ति पत्र देकर भव्य सम्मान किया। मुख्य अतिथि सत्यनारायण ने शिक्षकों के उत्कृष्ट सेवाएं की प्रशंसा करते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। इस अवसर पर कवि राजेंद्र गोपाल व्यास, ओम उज्जवल, शिवचरण शर्मा, रंजना चाहर द्वारा काव्य पाठ किया। कार्यक्रम में जॉइंट्स स्मार्ट सिटी के अध्यक्ष रामस्वरूप राठी, उपाध्यक्ष अनिल जैन, बिपिन शाह, सचिव अमित जैन, प्रवीण सेठी, पवन अग्रवाल, लाइंस क्लब मंगरोप शताब्दी के उपाध्यक्ष सुभाष दूदानी, सचिव स्वाति सोडाणी, पलक बहेडिया, राजेश पाटनी, एस.के.जैन आदि उपस्थित थे । समारोह का संचालन रामनिवास रोनी ने किया।

# जैन धर्म के 16 वें तीर्थंकर भगवान शांतिनाथ का मनाया गर्भ कल्याणक

फागी. शाबाश इंडिया

कस्बे के श्री आदिनाथ दिगंबर जैन मंदिर,बीचला मंदिर, मुनिसुव्रतनाथ दिगंबर जैन मंदिर ,पारसनाथ जैन मंदिर , चंद्रप्रभु नसिया, चंद्रपुरी तथा त्रिमूर्ति दिगंबर जैन मंदिर सहित परिक्षेत्र के चकवाड़ा, चोरू, नारेड़ा, मंडावरी, मेहंदवास, निमेड़ा, लदाना, के जिनालयों में जैन धर्म के 16 वें तीर्थंकर भगवान शांतिनाथ का गर्भ कल्याणक महोत्सव भक्ति भाव के साथ जोर शोर से मनाया गया। जैन महासभा के प्रतिनिधि राजाबाबू गोधा ने मीडिया को अवगत कराया कि कार्यक्रम में इससे पूर्व अभिषेक, शांतिधारा एवं अष्टद्रव्यों से पूजा हुई, तथा पूजा के दौरान भगवान शांतिनाथ के गर्भ कल्याणक दिवस पर सामूहिक रूप से भक्ति भाव के साथ अर्घ्य चढ़ाया गया, गर्भ कल्याणक दिवस पर सभी की सुख-समृद्धि एवं शांति की मंगलमय कामना की गई। कार्यक्रम में फागी जैन समाज के कैलास कलवाडा,सोहनलाल झंडा, अग्रवाल समाज के अध्यक्ष महावीर झंडा, सुरेश सांघी, हरकचंद पीपलू, सुरेश मांदी,फागी पंचायत समिति के पूर्व प्रधान सुकुमार झंडा,टीकम गिंदोडी,सोभाग सिंघल, रमेश बावड़ी,कन्हैया लाल सिंघल, रतननला,पारस नला, सुरेश डेठानी, शिखर मोदी, राजेंद्र कलवाडा,धर्म चंद पीपलू, महेंद्र बावड़ी, कमलेश सिंघल, धर्मचंद मोदी,विनोद मोदी,कमलेश चोधरी, त्रिलोक पीपलू, तथा राजाबाबु गोधा सहित सभी श्रावक जन उपस्थित थे।

# डॉ वरुण बजाज शिक्षा गौरव से सम्मानित

मनीष विद्यार्थी. शाबाश इंडिया

जबलपुर। भारतीय जैन संघटना चैप्टर जबलपुर के तत्वावधान में शिक्षक दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में प्रदेश के शिक्षा विभाग से जुड़े विशिष्ट शिक्षकों को सम्मानित किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता इंजीनियर रजनीत जैन डायरेक्टर ज्ञान गंगा इंजीनियरिंग कॉलेज जबलपुर ने की। कार्यक्रम में जबलपुर से डॉ. अरुण बजाज बी ई. एम टेक. पीएचडी को शिक्षा गौरव की उपाधि से सम्मानित किया गया एवं छतरपुर भगवां से प्राचार्य सुरेंद्र कुमार जैन को सम्मानित किया गया। सभी सम्मानित शिक्षकों को एडवोकेट कमलेन्द्र जैन राष्ट्रीय मंत्री जैन मिलन, अरुण चंदेरिया, महेश जैन PHE सागर,पंकज जैन छतरपुर प्रो. पीके जैन, राकेश पलंदी दमोह मनीष विद्यार्थी, सेठ मनीष जैन नेहानगर डॉ अनुभव जैन, डॉ अनामिका जैन गाडरवारा, अभिषेक जैन गोलू एवं अनेक शिक्षाप्रद, पत्रकार, समाजसेवियों ने बधाई दी।

# दो दिवसीय लोकार्पण एवम शुद्धि महोत्सव आयोजित

## 24घंटे अखंड भक्तामर पाठ के बाद होगा भक्तामर विधान

**जयपुर. शाबाश इंडिया।** श्री पार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर हीरा पथ के विस्तार हेतु पास वाला प्लाट संख्या 63/110 अभी खरीदा गया। इसके लोकार्पण एवम शुद्धि हेतु 06 एवम 7सितंबर को मांगलिक कार्यकर्म हो रहे है। ट्रस्ट के अध्यक्ष सुभाष चंद जैन ने बताया कि बुधवार दिनांक 06/09/2023 को सोधर्म इंद्र संजय लुहाड़िया एवम झंडारोहण कर्ता धन कुमार कासलीवाल ,दीप प्रज्वलन कर्ता श्रीमती कमला गोधा ,पूजन सामग्री के कमल किशोर छाबड़ा पुण्यार्जक है। मंत्री प्रकाश सखूनिया एवम कोषाध्यक्ष देवेंद्र छाबड़ा ने बताया कि भक्तामर स्तोत्र के 24 घंटे के अखंड पाठ के बाद भक्तामर स्तोत्र विधान मंडल पूजन एवम हवन किया जाएगा। कार्यकर्म संयोजक पंकज छाबड़ा, संजय लुहाड़िया एवम मुकेश जैन है।

# द साइंस एकेडमी एन एस पी स्कूल रावतसर में कृष्ण जन्माष्टमी का पर्व हर्षोल्लास के साथ मनाया गया

**रावतसर. शाबाश इंडिया।** रावतसर महोत्सव का प्रारंभ सुरेन्द्र शर्मा, प्रधानाचार्य सुनील नागपाल के कर कमलों द्वारा दीप प्रज्जवलित कर किया । सुरेंद्र ने बच्चों को खेल मनोरंजन एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों तथा भारतीय संस्कृति को संजोए रखने के लिए प्रेरित किया । बच्चों द्वारा राधा व कृष्ण की झांकियाँ प्रस्तुत की गई। जिसमें कृष्ण बने भविष्य और पारस तथा राधा के रूप वर्षा और पीहू ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। राधा व कृष्ण के स्वांग रूप बनाकर बच्चो ने दर्शकों का मन मोह लिया । बच्चों द्वारा दल बनाकर डांडिया नृत्य का भी आयोजन किया गया। विद्यालय परिसर में बच्चों द्वारा मटका फोड़ प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया। संस्था के प्रधानाचार्य महोदय ने सभी आगुंतों का आभार व्यक्त किया तथा प्रथम द्वितीय रहने वाले छात्रों का उत्साह वर्धन करते हुए परितोषित किया।

# फास्ट्रेक ऑटो कार्स प्रा.लि. की नई वर्कशॉप का उद्घाटन संपन्न

**जयपुर. शाबाश इंडिया**

कार समाधान में एक विश्वसनीय नाम और कार मरम्मत प्रबंधन पर केंद्रित फास्ट्रेक ऑटो कार्स प्रा. लि. की नई वर्कशॉप का शुभारंभ एसएफएस मानसरोवर स्थितआईसीजी कॉलेज के समीप बुधवार को हुआ। उद्घाटन समारोह के मुख्य अतिथि आशीष गोरे वाइस प्रेसिडेंट सेल्स बॉश इंडिया थे। यह वर्कशॉप बॉश के साथ साझेदारी तथा ब्रांड की राजस्थान विस्तार रणनीति के अनुरूप है। फास्ट ट्रैक ऑटो कार्स प्राइवेट लिमिटेड के निदेशक अजीत सिंह चौहान ने बताया कि यह भारत की सबसे बड़ी बॉश अधिकृत वर्कशॉप में से एक है, जो 12 बे और अत्याधुनिक उपकरणों के साथ 20 हजार वर्ग फीट से अधिक क्षेत्र में फैली वर्कशॉप है। मानसरोवर का यह वर्कशॉप कंपनी की भविष्य की विस्तार योजनाओं के लिए एक मॉडल के रूप में कार्य करेगा जिससे राज्य भर में और अधिक कार्यशालाओं के शुभारंभ की योजना को मूर्त रूप देने की राह आसान होगी। उन्होंने कहा कि इस वर्कशॉप में कार की मरम्मत, डेंटिंग और पेंटिंग तो गुणवत्तापूर्ण होगी ही ग्राहक को वाहन के वास्तविक स्पेयर पार्ट्स प्रदान करने पर भी समान ध्यान दिया जाएगा। चौहान ने बताया कि इसके अलावा हम अपने ग्राहकों को बीमा सुविधा, नवीनीकरण, पिक एंड ड्रॉप सेवा और एएमसी में मदद करने पर भी ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। वर्कशॉप यह सुनिश्चित करने के लिए अत्याधुनिक बुनियादी ढांचा प्रदान करती है कि वाहनों को ग्राहकों तक पहुंचाने से पहले उनकी गुणवत्ता जांच की जाए। उल्लेखनीय है कि बॉश कंपनी को भारत में सेवाएं देते हुए 100 साल हो चुके हैं। फास्ट ट्रैक 15 सालों से जयपुर में टोंक रोड पर जयपुर निवासियों की सेवा कर रहा है। यह वर्कशॉप अब तक 50 हजार ग्राहकों को संतोषपूर्वक अपनी सेवाएं दे चुका है। अब एक और वर्कशॉप का शुभारंभ मानसरोवर में हुआ है। इस अवसर पर आशीष गोरे वाइस प्रेसिडेंट, शक्ति सिंह, क्षेत्रीय प्रबंधक उत्तर, रोहित किशोर जोनल मैनेजर राजस्थान, मेहर खन्ना एरिया मैनेजर राजस्थान और गौरव शर्मा एरिया मैनेजर सहित बॉश टीम उपस्थित रही।

# गुलाबीनगर ग्रुप द्वारा गायों को चारा व शिक्षक सम्मान

**जयपुर. शाबाश इंडिया।** दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन के संस्थापक अध्यक्ष स्वर्गीय प्रदीप कुमार सिंह कासलीवाल के पुण्य स्मृति दिवस पर दिनांक 3 से 5 सितंबर के अवसर पर फेडरेशन के केंद्रीय नेतृत्व के दिशा निर्देश व राजस्थान रीजन के मार्गदर्शन के अनुरूप दिगम्बर जैन सोशल गुलाबीनगर ग्रुप जयपुर द्वारा 03 सितम्बर को दुर्गापुरा गौशाला में गायों को हरा चारा खिलाया गया। कार्यक्रम में फेडरेशन के राष्ट्रीय परामर्शक अनिल जैन राष्ट्रीय कार्याध्यक्ष सुरेन्द्र पांड्या,ग्रुप अध्यक्ष सुनील सुमन बज ग्रुप सचिव विनोद सुशीला बड़जात्या , महावीर पांड्या, कैलाश शशि पाटनी, चेतन जैन, विजय जैन, प्रवीण उमा सेठी, धर्म चंद छाबडा, अशोक कुसुम जैन व सुनील मीना काला भी उपस्थिति रहे। दिनाँक 04 सितंबर को रीजन द्वारा आयोजित भट्टारकजी की नसियां में रिद्धि सिद्धि मंत्रों के सहित भक्तामर के 48 श्लोकों के कार्यक्रम में सुनील बज, विनोद सुशीला बड़जात्या, पदम चंद भावसा, कैलाश शशि पाटनी, महावीर पांड्या ने भी प्रज्वलित

दीपक अर्पित किया। दिनाँक 5 सितम्बर को जैन भवन महावीर नगर में द्वादश वर्षीय संस्कृति स्वाध्याय पाठ्यक्रम श्रमण संस्कृति सँस्थान साँगानेर के आचार्य अजित जैन का सम्मान फेडरेशन के राष्ट्रीय कार्याध्यक्ष सुरेन्द्र पांड्या द्वारा तिलक लगाकर , दुपट्टा ओढ़ाकर फेडरेशन के राष्ट्रीय परामर्शक एवं जैन मन्दिर महावीर नगर के अध्यक्ष अनिल जैन रिटायर्ड आईपीएस द्वारा किया गया। माल्यार्पण शीतल कटारिया, रतनलाल कोठारी ने शाल ओढ़ाकर तथा सुनील बज, विनोद सुशीला बड़जात्या , महावीर पांड्या ने प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। पंडित राजेश जैन गंगवाल का सम्मान अनिल जैन आईपीएस ने माल्यार्पण कर किया ' महावीर पांड्या ने दुपट्टा पहनाकर सम्मानित किया।पंडित राजेश जैन ने कहा कि आजकल के शिक्षक अपने जीवन निर्वाह के लिए अध्यापन का कार्य करते है, जबकि पंडित अजित जैन जीवन निर्वाह के साथ समाज के निर्माण का कार्य भी करते हैं। अजित जी जैन द्वारा दुगार्पुरा जैन मंदिर में प्रतिदिन पाठशाला चलाते हैं। इस अवसर पर ग्रुप के सदस्य राजेन्द्र छारेडा, श्रीमती मदुर्ला पांड्या, सुशीला बड़जात्या,श्रीमती शशी जैन,श्रीमती शैलबाला छाबड़ा, श्रीमती मुन्नादेवी पांड्या उपस्थित थे।अंत मे सुनील बज अध्यक्ष ने महावीर नगर जैन समाज का कार्यक्रम में सम्मिलित होने के लिये आभार प्रकट किया।

# श्री सम्मेद शिखरजी तीर्थ वंदना के लिए 1100 श्रद्धालु जाएंगे

## तीर्थयात्री के भोजन का राशन सामग्री एवं साधुसंत के चौके की आहार सामग्री का ट्रक रवाना

**मोहन सिंहल. शाबाश इंडिया**

**टोंक।** झारखंड राज्य में महातीर्थराज श्री सम्मेद शिखरजी के लिए आर्यिका 105 सूत्रमति माताजी ससंघ के पावन प्रेरणा एवं मंगलमय आशीर्वाद से 8 व 9 सितंबर को दो समूह में 1100 यात्री सम्मेद शिखरजी के लिए रवाना होंगे पदमपुरा पद यात्रा संघ के हुकम चंद देवली वाले एवं पदम चंद कंटान ने बताया कि हर वर्ष की भाँति इस बार भी पदमपुरा पद यात्रा संघ के तत्वाधान में 15वी बार 8 सितंबर एवं 9 सितंबर को दो समूह में लगभग 1100 यात्रियों के जत्थे श्री दिगंबर जैन नसिया से रवाना होंगे जो जयपुर से रेल द्वारा इसरी पारसनाथ होते हुए मधुबन पहुंचेंगे जहां पर 11 सितंबर को सामूहिक रूप से 27 km के पर्वत पर चरण वंदना के लिए चड़ेंगे। संघ के सुनील आड़रा ने अवगत कराया कि यात्रियों के भोजन के राशन एवं साधु संतों की चौके के समान से भरा हुआ ट्रक मंगलवार को रात्रि को जैन नसिया से पारसनाथ भगवान के जयकारों के साथ संघ के लोगों ने श्रीफल फोड़ कर रवाना किया। संघ के राजकुमार छामुनिया व संदीप देवली ने बताया कि संघ कार्यालय में प्रतिदिन यात्रा की तैयारी हेतु मीटिंग आयोजित की जाती है, जिसमे वीरेंद्र शिवाड़िया, सुनील आंडरा, राजेश बोरदा वाले मनोज फागी, सुनिल कपड़े, राजेश हाड़ीगाव, अशोक श्यामपुरा, रमेश गोटा मोनू छामुनिया।


॥ ॐ ह्रीं श्री श्रीमन्यु आदि चारण ऋद्धिधारी सप्त ऋषिभ्यों नमः ॥

सर्व रोग निवारक श्री सप्तऋषि जिनालय

महावीर धाम, श्री महावीर जी,
जिला करौली (राज.) मो.: 8058232358

सादर जय जिनेन्द्र !

प्रिय आत्मन् :- .....

आप भी हमारी निम्न योजनाओं में सहयोग देकर सातिशय महा पुण्य का संचय कर अपने मानव जीवन को धन्य सकते हैं।

एक सुनहरा अवसर

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| 1. | मन्दिर जी की छत | 21,00,000/- | 15. | मूलनायक प्रतमाजी का कमल | 3,51,000/- |
| 2. | मन्दिर जी वेदी | 11,00,000/- | 16. | अरिहंत प्रतिमा जी का कमल | 1,51,000/- |
| 3. | अरिहंत भगवान की प्रतिमा | 5,51,000/- | 17. | केवली प्रतिमा जी का कमल | 1,51,000/- |
| 4. | केवली भगवान की प्रतिमा | 5,00,000/- | 18. | सप्तऋषि प्रति प्रतिमाजी का कमल | 51,000/- |
| 5. | श्रीमन्युऋषि जी की प्रतिमा | 5,51,000/- | 19. | वेदी के पीछे अष्टप्रतिहार्य | 51,000/- |
| 6. | श्री सुरमन्युऋषि जी की प्रतिमा | 5,51,000/- | 20. | मुनिसुव्रतनाथ प्रतिमा छत्र | 1,11,000/- |
| 7. | श्री निश्चय ऋषि जी की प्रतिमा | 5,51,000/- | 21. | मन्दिर आदि के लिए 1 गज भूमि | 27,000/- |
| 8. | श्री जयवान ऋषि जी की प्रतिमा | 5,51,000/- | 22. | निर्माण कार्य में सौ किलो सरिया | 50,000/- |
| 9. | श्री सर्वसुन्दर ऋषि जी की प्रतिमा | 5,51,000/- | 23. | निर्माण कार्य में सौ बोरी सीमेन्ट | 36,000/- |
| 10. | श्रीविनयलालस ऋषिजी की प्रतिमा | 5,51,000/- | 24. | निर्माण कार्य में रेती | 21,000/- |
| 11. | श्री जयमित्र ऋषि जी की प्रतिमा | 5,51,000/- | 25. | निर्माण कार्य में गिट्टी | 11,000/- |
| 12. | डीलक्स रूम | 5,50,000/- | 26. | निर्माण कार्य में 1 हजार ईंट | 7,000/- |
| 13. | सामान्य रूम | 5,00,000/- | 27. | निर्माण कार्य में पत्थर सहयोग | 5,100/- |
| 14. | मन्दिर जी का एक स्तंभ | 2,51,000/- | 28. | निर्माणकार्य में 1 दिन की मजदूरी | 11,000/- |

नोट: कृपया आप दान राशि को बैंक ऑफ बड़ौदा में (श्री सप्त ऋषि जिनालय) के नाम से खाता संख्या 01190100028544 में, I.F.S.C Code : BARB0SHRIMA में जमाकराकर काउन्टर स्लिप की छाया प्रति हमारे Whatsapp पर अवश्य ही भेजकर मो॰ कर सुचित करें।


# संस्कृत न्याय एवं जैन दर्शन के प्रकाण्ड विद्वान डॉक्टर शीतल चंद जैन का किया सम्मान

**जयपुर. शाबाश इंडिया।** दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन के संस्थापक अध्यक्ष स्वर्गीय प्रदीप कुमार सिंह कासलीवाल के पुण्य स्मृति दिवस दिनांक 5 सितंबर के अवसर पर केंद्रीय नेतृत्व के दिशा निर्देश के अनुरूप दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप जयपुर मेन द्वारा मीरा मार्ग मानसरोवर स्थित जैन मंदिर के सभागार में मुनि श्री सवानँद जी महाराज के सानिध्य में श्रमण संस्कृति सँस्थान साँगानेर के निर्देशक एवं संस्कृत न्याय एवं जैन दर्शन के प्रकाण्ड विद्वान डॉक्टर शीतल चंद जैन का सम्मान किया गया। पंडित साहब का सम्मान सर्वप्रथम राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष अतुल बिलाला के द्वारा माल्यार्पण तत्पश्चात राजस्थान रीजन के सचिव निर्मल सँघी ने साफा पहनाया, जयपुर मेन ग्रुप के कोषाध्यक्ष डॉक्टर णमोकार जैन ने शाल ओढ़ाया, इसके पश्चात प्रशस्ति का वाचन ग्रुप के सचिव महेन्द्र कुमार छाबड़ा के द्वारा किया गया इसके पश्चात प्रशस्ति भेंट की गई। ग्रुप के अध्यक्ष डॉक्टर राजेन्द्र कुमार जैन जो अभी अमेरिका मैं हैं ऑनलाइन उपलब्ध थे उनका भी कार्यक्रम मे पूर्ण सहयोग रहा। इस अवसर पर ग्रुप के सदस्य सत्येंद्र सँघी, विजय कनक पाटोदी भी उपस्थित थे। मीरा मार्ग मंदिर प्रबंध समिति के अध्यक्ष सुशील पहाड़िया व कार्यकारिणी का धन्यवाद ज्ञापित किया गया जिनके सहयोग से हमें मंच मिल सका।

## आपके विचार


स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com
weeklyshabaas@gmail.com